कोटद्वार, सोमवार
26 जनवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 245 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सूचना

सभी सुधि पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं एवं हॉकरों को दैनिक जयन्त की ओर से गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकमानायें इस अवसर पर 26 जनवरी 2026 को प्रेस एवं कार्यालय में अवकाश रहेगा।
दैनिक जयन्त का अगला अंक 28 जनवरी 2026 को प्रकाशित होगा।
-सम्पादक

एक नजर

जयहरीखाल के ग्राम बरस्वार में गुलदार ने मासूम को बनाया निवाला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों के हमले की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही। विकासखंड जयहरीखाल की ग्राम पंचायत बरस्वार में शनिवार शाम गुलदार डेढ़ वर्षीय बच्ची को उसके घर से ही उठाकर ले गया। रात करीब नौ बजे बच्ची का शव बरामद किया गया। घटना से परिवार मे कोहराम मचा है।

ग्राम पंचायत बरस्वार निवासी पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य वीरेंद्र लाल की पोती याशिका पुत्री जितेंद्र शाम करीब 6:30 बजे माता-पिता के साथ घर के आंगन में ही थी। तभी अचानक आया गुलदार झपटकर याशिका को उसके पिता जितेंद्र और मां प्रियंका की आंखों के सामने उठाकर ले गया। माता-पिता चीख पुकार मचाते ही रह गए। शोरशराबा होने पर आसपास के काफी लोग जंगल में याशिका की तलाश में दौड़े। काफी छानबीन के बाद रात करीब नौ बजे याशिका का शव काफी फासले पर बुरी हालत में बरामद हुआ। घटना के बाद से वीरेंद्र लाल के परिवार में कोहराम मचा है। घटना लैंसडौन वन विभाग के पालकोट जंगल क्षेत्र की बताई गई है। सूचना मिलने पर वन कर्मी भी घटनास्थल पर पहुंच गए।

चकराता से लौट रहे दो पर्यटकों की दुर्घटना में मौत

विकासनगर। चकराता घूमने गए स्कूटी सवार दो युवकों की रविवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। कालसी–चकराता मोटर मार्ग पर भूतिया घूम के पास उनकी स्कूटी को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है।

रैंतौली के पास ट्रक खाई में गिरा, चालक की मौत

रुद्रप्रयाग। रैंतोली पेट्रोल पंप के समीप एक ट्रक अनियंत्रित होकर अलकनंदा नदी में जा गिरा। दुर्घटना में चालक की मौत हो गई। घटना शनिवार रात की है। सामान से लदा एक ट्रक ऋषिकेश से रुद्रप्रयाग की ओर जा रहा था और रैंतोली पेट्रोल पंप के समीप अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। घटना की सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं।

अंधेरा अधिक होने और खड़ी ढलान होने के कारण रेस्क्यू टीमों ने कड़ी मशक्कत कर ट्रक से चालक सागर निवासी नेपाल को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। ट्रक में सिर्फ चालक ही सवार था। कोतवाली रुद्रप्रयाग के प्रभारी निरीक्षक सुरेश चंद्र बलूनी ने बताया कि शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। वाहन स्वामी को सूचित कर दिया गया है।

ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से महिला की मौत

रुड़की। झबरेड़ा–लखनौता मार्ग पर ग्राम कोटवाल आलमपुर के पास रविवार दोपहर गन्ने की खोई से भरी ट्रैक्टर–ट्राली की टक्कर से बाइक सवार महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने महिला का शव सड़क पर रखकर करीब तीन घंटे तक जाम लगाए रखा, जिससे मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जानकारी के अनुसार ग्राम नारसन निवासी 50 वर्षीय बालेश्वरी देवी अपने पुत्र कृष्ण और बेटी के साथ बाइक से झबरेड़ा आ रही थीं। कोटवाल आलमपुर के पास पीछे से आ रही ट्रैक्टर–ट्राली ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर गिर गए। इसी दौरान ट्रैक्टर–ट्राली का पहिया महिला के सिर के ऊपर से गुजर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

औली में सन्नाटा खत्म, उमड़े पर्यटक, बढ़ने लगी रौनक

चमोली। बर्फबारी के बाद औली में पर्यटकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। दो दिन पहले तक बर्फ नहीं होने पर औली में सन्नाटे की स्थिति थी अब औली पर्यटकों से गुलजार नजर आने लग गया है। यहां अभी एक फीट से अधिक बर्फ जमी है और रविवार को काफी संख्या में पर्यटक औली पहुंचे। औली में इस साल सीजन की पहली बर्फबारी शुक्रवार को हुई और इसके बाद पर्यटकों के यहां पहुंचने का सिलसिला भी तेज हो गया। यहां पहुंचकर पर्यटक खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं और बर्फ में मौज मस्ती कर रहे हैं। पर्यटक स्लोप पर स्कीइंग में हाथ आजमा रहे हैं। मौसम की मेहरबानी और पर्यटकों की आमद से पर्यटन से जुड़े कारोबारी भी खुश हैं।

पाला जमने से औली मार्ग पर फिसलन

ज्योतिर्मठ। बर्फबारी के बाद औली मार्ग पर पाला जमने लगा है और वाहन फिसल रहे हैं। इससे वाहनों की आवाजाही में भी दिक्कतें आ रही हैं। सिंगल लेन सड़क के कारण यहां जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। हालांकि टीवी टावर से ऊपर पर्यटकों के वाहनों को नहीं जाने दिया जा रहा है। सिर्फ फोर बाय फोर वाहन और स्थानीय वाहनों की ही आवाजाही कराई जा रही है लेकिन टीवी टावर से नीचे वाहनों की लंबी कतार लग रही है और जाम की स्थिति हो रही है। ज्योतिर्मठ कोतवाली के एसएसआई विनोद रावत ने बताया कि पर्यटकों के वाहनों को सुनील, टीवी टावर व कीचड़ बैंड के पास पाला जमने से जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। पर्यटकों के वाहनों को टीवी टावर से आगे नहीं जाने दिया जा रहा है। वहां से फोर बाय फोर और स्थानीय वाहन ही आगे जा रहे हैं। जाम खुलवाने के लिए जगह–जगह पर पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं।

12 सौ से अधिक ने उठाया चेयर लिफ्ट का लुत्फ

औली में पर्यटकों की संख्या बढ़ने पर चेयर लिफ्ट से आवाजाही करने वालों की भी मांग बढ़ने लग गई है। पर्यटक चेयर लिफ्ट से औली की बर्फ से ढकी वादियों का आनंद ले रहे हैं। चेयर लिफ्ट प्रबंधक राजेंद्र डिमरी ने बताया कि रविवार को 1200 से अधिक पर्यटकों ने चेयर लिफ्ट का आनंद लिया।

मौसम खुला तो लोहाजंग में रुके ढाई सौ पर्यटक ब्रह्मताल ट्रैक रवाना

चमोली। मौसम साफ होने व बर्फ पिघलने पर बेस कैंप लोहाजंग में रुके पर्यटक रविवार की सुबह भीकलताल–ब्रह्मताल ट्रैक के लिए रवाना हुए। बुग्यालों में बर्फबारी होने के कारण अधिक संख्या में यहां पर्यटक पहुंचे हैं। शुक्रवार की रात को हुई बर्फबारी से मुख्य पर्यटक स्थल ब्रह्मताल, भीकलताल, वेदनी बुग्याल, बगजी बुग्याल बर्फ से ढक गए थे। करीब एक से डेढ़ फीट बर्फ पड़ने के कारण वन विभाग ने लोहाजंग में पर्यटकों को रोका था। लोहाजंग में तैनात वन विभाग के कर्मी बलबीर बिष्ट ने बताया कि भीकलताल, ब्रह्मताल, आली, वेदनी बुग्याल में करीब एक से डेढ़ फीट बर्फ है। शीतलहर चलने, तापमान गिरने के कारण पर्यटकों को लोहाजंग में ही रोका गया था। मौसम साफ होने पर रविवार को करीब 250 पर्यटक भीकलताल–ब्रह्मताल गए हैं। यहां आने वाले पर्यटकों का बेस कैंप लोहाजंग में रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। ट्रैकिंग कंपनी यूथ हास्टल के महिपत सिंह, भुवन बिष्ट व लोहाजंग के व्यवसायी इंद्र सिंह राणा ने बताया कि बर्फबारी से लोहाजंग में चहल–पहल बढ़ गई है।

मन की बात कार्यक्रम का हर एपिसोड प्रेरणादायी होता है: सीएम धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को दून लाइब्रेरी, निकट परेड ग्राउंड, देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 130वें एपिसोड को सुना। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मन की बात कार्यक्रम का हर एपिसोड प्रेरणादायी होता है। समाज में सामान्य परिस्थितियों में अनवरत सेवा करने वाले लोगों को इस कार्यक्रम के माध्यम से देश दुनिया जानती है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम को आमजन और जन–जन का कार्यक्रम बनाया है। इसके माध्यम से अन्य लोग भी प्रेरित होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के अंदर कई नवाचार हो रहे हैं। आज इनोवेशन, साइंस, टेक्नोलॉजी एवं ए.आई हर दृष्टि से भारत आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने ए.आई के बढ़ते प्रभाव पर बोलते हुए कहा कि आने वाले समय में सभी कामों में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। जो काम कई दिनों में होता है वह महज कुछ ही घंटे में हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य के अंदर एआई के उपयोग हेतु साइंस आईटी टेक्नोलॉजी से संबंधित विभाग कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री की प्रेरणा से राज्य सरकार ने अनेक ऐसे निर्णय लिए हैं जो राज्य में पहली पहली बार हुए हैं। उन्होंने कहा आज पूरे देश के अंदर हमारे राज्य तस्वीर ऐसे स्थापित हो गई है कि जहां पर अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। 27 जनवरी को यूसीसी लागू करने के पूरे एक साल हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने 2022 विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की जनता के सामने समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया था, जिसे हमने पूरा किया है। उन्होंने कहा हमारा राज्य एक सीमावर्ती क्षेत्र है। यहाँ चार धाम, गंगा, यमुना का उद्गम स्थान है। सुरक्षा की दृष्टि से भी हमारा राज्य बेहद संवेदनशील है ऐसे में राज्य में रहने वाले सभी लोगों के लिए एक समान कानून लागू होना चाहिए था और हमने ऐसा करके दिखाया है।

उत्तराखंड के पूर्व सीएम भगत सिंह कोश्यारी को पद्मभूषण सम्मान

देहरादून । गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म पुरस्कारों की घोषणा की। उत्तराखंड के पूर्व सीएम कोश्यारी को इस वर्ष पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि भगत सिंह कोश्यारी महाराष्ट्र के राज्यपाल भी रह चुके हैं। कोश्यारी ने अपनी कर्मभूमि पिथौरागढ़ को बनाया। गरीब परिवार से निकलकर विधान परिषद सदस्य, विधायक, मुख्यमंत्री, राज्यसभा सदस्य, लोकसभा सांसद और फिर राज्यपाल की कुर्सी तक पहुंचे। इसकी झलक बचपन से ही भगतदा में भी दिखाई देने लगी थीं। परिवार की आजीविका का साधन खेती था।

इस कारण इनका प्रारंभिक जीवन काफी गरीबी में बीता। कोश्यारी ने प्रारंभिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालय महरगाड़ से प्राप्त की। जूनियर हाईस्कूल की शिक्षा घर से आठ किमी दूर शामा से हासिल करने वाले भगत दा ने हाईस्कूल की शिक्षा कपकोट से और इंटर की शिक्षा पिथौरागढ़ से हासिल की। भारी आर्थिक संकट के बीच भगत दा ने बीए और एमए की पढ़ाई अल्मोड़ा महाविद्यालय से की। एमए अंग्रेजी कोश्यारी वर्ष 1966 में आरएसएस के संपर्क में आए कोश्यारी ने संघ की मजबूती के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। आरएसएस के प्रचारक रहे कोश्यारी ने वर्ष 1977 में पिथौरागढ़ में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना की। सरस्वती शिशु मंदिर में लंबे समय तक अध्यापन किया। छात्र राजनीति से राजनीति की शुरुआत करने वाले कोश्यारी ने वर्ष 1989 में अल्मोड़ा संसदीय सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ा। इस चुनाव में पराजय के बाद भी कोश्यारी ने जनता से जुड़ाव नहीं छोड़ा। यूपी में विधान परिषद सदस्य, उत्तराखंड की अंतरिम सरकार में ऊर्जा, सिंचाई, संसदीय कार्य मंत्री का दायित्व संभालने वाले कोश्यारी को अंतरिम सरकार में मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य मिला। देश के दोनों सर्वोच्च सदनों राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य रहे कोश्यारी को इसके बाद पार्टी ने महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाकर उनकी मेहनत, लगन, समर्पण और संघर्ष का प्रतिफल दिया था।

स्टोन क्रशर स्वामी ने खुद को मारी गोली, हुई मौत

काशीपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बन्नाखेड़ा में रविवार दोपहर एक खनन कारोबारी ने संदिग्ध परिस्थितियों में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय वह घर में अकेला था और परिवार के अन्य सदस्य गुरुद्वारे गए हुए थे। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे आत्महत्या के कारणों को लेकर जांच की जा रही है मृतक की पहचान गुरजीत सिंह (40) पुत्र स्वर्गीय जोगेंद्र सिंह के रूप में हुई है। गुरजीत उत्तर प्रदेश के स्वार क्षेत्र में साझेदारी में स्टोन क्रशर स्थापित करने की तैयारी कर रहा था। बताया जा रहा है कि शनिवार को ही उसे क्रशर लगाने की अनुमति मिली थी। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर परिवार के लोग गुरुद्वारे मत्था टेकने गए थे, तभी गुरजीत ने घर में रखे अवैध तमंचे से अपनी कनपटी पर गोली मार ली। जब परिजन लौटे तो घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर उन्होंने पीछे की खिड़की तोड़कर भीतर प्रवेश किया, जहां गुरजीत का खून से लथपथ शव पड़ा मिला।

बर्फबारी ने खोली दावों की पोल : 52 घंटे बाद खुला यमुनोत्री हाईवे

18 सड़कें अब भी बंद

उत्तरकाशी। जिला प्रशासन और सड़क संबंधित विभागों की अधूरी तैयारी के कारण बर्फबारी के तीसरे दिन भी लोगों को परेशान होना पड़ा। रवांई घाटी को जनपद मुख्यालय से जोड़ने वाला धरासू–फूलचट्टी यमुनोत्री हाईवे राड़ी टॉप में करीब 52 घंटे बाद आवाजाही के लिए खुला। गंगोत्री हाईवे पर सुक्की टॉप में बीते शनिवार देर शाम से फंसे ट्रक के कारण दोपहर तक वहां पर जाम की स्थिति बनी रही। साथ ही सुक्की से आगे आवाजाही अभी भी बंद है। बीते शुक्रवार को हुई बर्फबारी ने जिला प्रशासन और सड़क संबंधित विभागों की तैयारियों की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। स्थिति यह है कि बर्फबारी के दो दिन तक चटख धूप के बावजूद बीआरओ, एनचआईडीसीएल, लोनिवि, पीएमजीएसवाई आदि विभाग अपनी सड़कों पर आवाजाही शुरू नहीं करवा पाए हैं। गंगोत्री हाईवे रविवार शाम तक भी सुक्की टॉप से आगे आवाजाही के लिए नहीं खुला था। स्थानीय निवासी संजय पंवार ने बताया कि बीते शनिवार शाम को सुक्की टॉप में एक बड़ा ट्रक फंस गया था। इस कारण रविवार सुबह से दोपहर तक करीब आठ घंटे लोगों को जाम के कारण परेशान होना पड़ा। शासन–प्रशासन शीतकालीन यात्रा की बात करता है लेकिन एक दिन की बर्फबारी ने इसके सभी हवाई दावों की हकीकत को बयां कर दिया है। दूसरी ओर धरासू–फूलचट्टी यमुनोत्री हाईवे पर गिन्योटी से ओरछा बैंड और फोटो बैंड तक करीब 15 से 20 किमी लंबी सड़क पर आवाजाही शुरू करवाने के लिए एचएचआईडीसीएल ने 52 घंटे का समय ले लिया। भाजपा जिला महामंत्री परशुराम जगूड़ी ने कहा कि एनएचआईडीसीएल की लापरवाही के कारण आम लोगों को परेशान होना पड़ा। उनकी ओर से न ही सड़क पर चूना डाला जा रहा है। साथ ही अनुभवहीन कार्य कारण लोग परेशान है।

साथ ही उत्तरकाशी–लंबगांव सड़क पर भी चौरंगी जाने वाले लोगों को दिनभर जाम से फिसलन भरी सड़क पर जूझना पड़ा।

गणतंत्र दिवस- 2026 पर उत्तराखंड के 12 कर्मियों को वीरता/सेवा पदक से सम्मानित किया

देहरादून। गणतंत्र दिवस– 2026 के अवसर पर पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड और सिविल डिफेंस तथा सुधारात्मक सेवा के कुल 982 कर्मियों को वीरता/सेवा पदक से सम्मानित किया गया। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम), सेवा में विशेष रूप से विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए प्रदान किया जाता है और सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम) और कर्तव्य के प्रति निष्ठा की विशेषता वाली मूल्यवान सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। विशिष्ट सेवा के लिए कुल 101 राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) में से, 89 पुलिस सेवा को, 05 अग्निशमन सेवा को, 03 सिविल डिफेंस एवं होमगार्ड सेवा को और 04 करेक्शनल सर्विसेज (सुधारात्मक सेवा) को प्रदान किए गए हैं। इसी प्रकार, सराहनीय सेवा के लिए कुल 756 पदक (एमएसएम) में से, 664 पुलिस सेवा को, 34 अग्निशमन सेवा को, 33 सिविल डिफेंस एवं होमगार्ड सेवा को और 25 करेक्शनल सर्विसेज (सुधारात्मक सेवा) को प्रदान किए गए हैं।

पदक से सम्मानित कर्मियों की सूची:

विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम):

1. योगेंद्र सिंह रावत, इंस्पेक्टर जनरल, उत्तराखंड

सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम)– करेक्शनल सर्विसेज (सुधारात्मक सेवा):

1. बीरबल यादव, हेड वार्डर, उत्तराखंड

सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम)– पुलिस सेवाः

1. ज्योति चौहान, इंस्पेक्टर, उत्तराखंड
2. प्रबोध कुमार घिल्डियाल, डिप्टी सुप्रीटेंडेंट ऑफ पुलिस, उत्तराखंड
3. शिवराज सिंह, डिप्टी सुप्रीटेंडेंट ऑफ पुलिस, उत्तराखंड
4. सुभाष चंद्र, इंस्पेक्टर, उत्तराखंड
5. साजिद अली, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, उत्तराखंड

सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम)– (फायर सर्विस):

1. मुकेश कुमार पोखरियाल, लीडिंग फायरमैन, उत्तराखंड
2. गिरीश चंद्र लोहानी, लीडिंग फायरमैन, उत्तराखंड

सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम)– (होम गार्ड और सिविल डिफेंस):

1. मीना मोहन शर्मा, सेक्टर वार्डन, उत्तराखंड
2. रविंद्र मोहन काला, डिप्टी डिविजनल वार्डन, उत्तराखंड

सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम)– सीबीआई :

1. धर्मेंद्र, इंस्पेक्टर, सीबीआईक (देहरादून ब्रांच)

10 मीटर खाई में गिरी पर्यटकों की कार, पांच को हल्की चोट

अल्मोड़ा। वृद्ध जागेश्वर के दर्शन कर उत्तर प्रदेश के बरेली लौट रहे पर्यटकों के साथ बड़ा हादसा होते–होते टल गया। बर्फबारी के चलते सड़क पर जमी फिसलन के कारण पर्यटकों की ब्रेजा कार अनियंत्रित होकर करीब 10 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। वाहन में सवार पांच लोगों को हल्की चोटें आईं, हालांकि सभी पर्यटक सुरक्षित बताए जा रहे हैं। हादसा अल्मोड़ा–जागेश्वर मार्ग पर वृद्ध जागेश्वर जाने वाली सड़क पर हुआ। क्षेत्र में बर्फ जमने के कारण सड़क बेहद फिसलन भरी थी।

बताया जा रहा है कि मोड़ पर वाहन का संतुलन बिगड़ गया और कार खाई में जा समाई। दुर्घटना के बाद मौके पर कुछ देर अफरा–तफरी का माहौल रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत–बचाव कार्य चलाया। घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार कराया गया।

हरीश रावत ने दिलाई 20 से अधिक लोगों को कांग्रेस की सदस्यता

देहरादून। उत्तराखंड में कांग्रेस का कुनबा बढ़ गया है। आज पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की उपस्थिति में करब 20 से अदिक लोगों ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर ली।

हरीश रावत ने खुद उन्हें सदस्यता दिलाई। इनमें समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े कई गणमान्य व जागरूक नागरिकों ने रविवार को राजपुर रोड स्थित कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में उत्तराखंड कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर हरीश रावत ने कहा कि आज उत्तराखंड में भाजपा सरकार पूरी तरह दिशाहीन, अहंकारी और जनभावनाओं से कटी हुई है। बेरोजगारी, महंगाई, किसान उत्पीड़न, महिलाओं की असुरक्षा और युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ ने जनता को सड़कों पर आने के लिए मजबूर कर दिया है। भाजपा सरकार ने उत्तराखंड की अस्मिता और संसाधनों को चंद पूंजीपतियों के हाथों गिरवी रख दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो संविधान, लोकतंत्र और आम आदमी के हक़ की लड़ाई सड़क से सदन तक मजबूती से लड़ रही है।

गणतंत्र दिवस से पूर्व दिल्ली में बड़ी साजिश की आशंका पर पुलिस का प्रहार

94 ठिकानों पर रेड, हथियार और ड्रग्स के साथ 70 गिरफ्तार

नई दिल्ली , गणतंत्र दिवस समारोह से ठीक पहले राजधानी दिल्ली की सुरक्षा चाक–चौबंद करने और किसी भी संभावित साजिश को नाकाम करने के लिए दिल्ली पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में है। दक्षिण–पूर्वी दिल्ली पुलिस ने अपराधियों और असामाजिक तत्वों की कमर तोड़ने के लिए 'ऑपरेशन कवच–12झ् के तहत एक बड़े अभियान को अंजाम दिया है। पुलिस ने एक ही रात में 94 अलग–अलग ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी करते हुए 70 संदिग्धों और अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस औचक कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

खुफिया इनपुट के बाद 78 टीमों ने एक साथ बोला धावा

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 26 जनवरी के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियों को राजधानी में कुछ संदिग्ध गतिविधियों के इनपुट मिले थे। इसी आधार पर हाई अलर्ट जारी किया गया था। दक्षिण–पूर्वी दिल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 78 विशेष टीमों का गठन किया। इन टीमों ने योजनाबद्ध तरीके से जिले के संवेदनशील इलाकों में एक साथ दबिश दी। पुलिस का मकसद यह सुनिश्चित करना था कि अपराधी किसी भी तरह की गतिविधि को अंजाम न दे सकें।

हथियार, नशीले पदार्थ और संदिग्ध गाड़ियां जब्त

इस सघन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने सड़कों पर नाकेबंदी कर कई संदिग्ध वाहनों को रोका और उनकी तलाशी ली। जांच में कुछ गाड़ियों से आपत्तिजनक सामान मिलने पर उन्हें तुरंत जब्त कर लिया गया। छापेमारी में पकड़े गए 70 आरोपियों के पास से पुलिस ने अवैध हथियार, भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और नकदी बरामद की है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि गिरफ्तार किए गए कई लोग पहले से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं और वे गणतंत्र दिवस से पहले किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हो सकते थे।

संदिग्ध हालत में मिला दिव्यांग व्यक्ति का शव, हत्या की आशंका

अल्मोड़ा। सोमेश्वर तहसील के रसियार गांव में शनिवार देर शाम एक दिव्यांग युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घर से कुछ ही दूरी पर खेत में शव पड़े होने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में दहशत फैल गई। शव पर चोट के निशान मिलने के बाद मामले को संदिग्ध माना जा रहा है। सूचना पर सोमेश्वर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान रसियार गांव निवासी कुंदन राम (43) पुत्र नर राम के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि कुंदन राम दिव्यांग थे और बकरी चराने के साथ मेहनत–मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करते थे। उनकी आर्थिक स्थिति सामान्य थी और वे मेहनत से अपना घर चलाते थे। बताया गया कि घटना के समय कुंदन राम की पत्नी मायके गई हुई थी और वह घर में अकेले थे। मृतक अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और दो बेटियां छोड़ गए हैं। अचानक हुई घटना से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल है। पुलिस जांच में सामने आया कि शव घर से कुछ दूरी पर खेत में पड़ा मिला।

भारत की असली ताकत जन–संकल्प, मन की बात कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मन की बात के 130वें एपिसोड के जरिए देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं। यह 2026 में पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम का पहला एपिसोड है। देशवासियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत के लोग बेहद इनोवेटिव हैं और समस्याओं का समाधान खुद ढूंढ लेते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में स्थानीय लोगों द्वारा की गई पर्यावरण संरक्षण की सफल पहलों का जिक्र कर जन–भागीदारी की ताकत पर जोर दिया। पीएम मोदी ने तमसा नदी के पुनरुद्धार की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि अयोध्या से निकलकर गंगा में मिलने वाली तमसा नदी कभी स्थानीय लोगों के जीवन की धुरी थी, लेकिन प्रदूषण के कारण इसकी धारा रुक गई थी। लेकिन, आजमगढ़ के लोगों ने एकजुट होकर नदी की सफाई अभियान चलाया, किनारों पर पेड़ लगाए और नदी को नया जीवन दिया। इसी तरह, आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में लंबे समय से सूखे की समस्या थी। यहां अनंत निरु संकल्प प्रोजेक्ट के तहत स्थानीय लोगों ने करीब 10 जलाशयों को साफ किया और पुनर्जीवित किया।

उन्होंने कहा कि इससे न केवल जल संरक्षण हुआ, बल्कि ग्रीन कवर भी बढ़ा और पूरा इकोसिस्टम निखर उठा। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि आजमगढ़ हो या अनंतपुर, ये देखकर खुशी होती है कि लोग एकजुट होकर संकल्प लेते हैं। यही हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है।" उन्होंने जोर दिया कि ऐसी छोटी–छोटी पहलें बड़े बदलाव लाती हैं और पर्यावरण संरक्षण में जन–भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

सम्पादकीय

मरीज रेफर का खेल

वैसे तो सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने के आवश्यक प्रयास किया जा रहे हैं लेकिन आज भी "सुपर" स्वास्थ्य सुविधाएं सरकारी अस्पतालों में मुहैया नहीं हो पाई है। सरकारी अस्पतालों में अपना कार्यभार काम करने के लिए मरीज को दूसरे अस्पतालों में रेफर करना चिकित्सकों की आदत बन गई है जिसे सुधारने के लिए राज्य सरकार ने प्रयास भी किए हैं। सरकारी अस्पतालों से मरीजों को निजी चिकित्सालय हो या फिर हायर सेंटर रिवर करने का खेल भी शासन की समझ में आने लगा है लिहाजा अब किसी भी मरीज को रेफर करने के बाद चिकित्सक की जवाबदेही निश्चित होगी। मरीज को रेफर करने के लिए चिकित्सकों की लापरवाही पर नकल करते हुए यह जरूरी कर दिया गया है कि जो भी मरीज रेफर किया जाएगा उसके लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी या फिर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को भी हस्ताक्षर करने होंगे। सरकारी अस्पतालों में मरीज को दूसरे अस्पतालों में भेजना सामान्य हो गया है और चिकित्सा उपलब्ध होने के बावजूद भी मरीज को चिकित्सा आमतौर पर अपना कार्य भर काम करने के लिए दूसरा अस्पतालों में रेफर कर देते हैं जिससे मरीजों पर अनावश्यक तौर पर वित्तीय भार भी पड़ता है। राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए तमाम कोशिश से कर रही है लेकिन जब तक "ग्राउंड जीरो" पर इन व्यवस्थाओं को पटरी पर नहीं लाया जाएगा तब तक कागजों में चाहे जितने भी दिशा निर्देश जारी किए जाते रहे इनका कुछ परिणाम निकलने वाला नहीं है। यही स्थिति मेडिकल कोर्स पूरा करने के बाद सरकारी सेवा की अवधि ज्वाइन करने वाले चिकित्सकों एवं स्थानांतरित किए गए चिकित्सकों की भी है जो बॉन्ड एवं सेवा शर्तों में किए गए अनुबंध को पूरा नहीं कर रहे हैं। सरकारी अस्पतालों के बाहर चल रही विभिन्न सेवाओं की दुकान भी सरकार के टारगेट पर है जिसमें मुख्य तौर पर एंबुलेंस सेवाएं हैं। अस्पताल प्रशासन मरीज को संसाधन होने के बावजूद भी एंबुलेंस या फिर श्वान उपलब्ध नहीं करता है। कई बार मृत्यु के बाद मृतक के परिजनों को शव को घर ले जाने में काफी परेशानी होती है, खासकर जब जनपद में मोर्चरी वाहन या शव वाहन उपलब्ध नहीं होता। सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने के लिए एक मॉनिटरिंग कमेटी भी होनी चाहिए जहां मरीज या तीमारदार बेखौफ होकर चिकित्सकों या फिर अस्पताल प्रशासन या सेवाओं में कमी की शिकायत कर सकें, लेकिन हकीकत में सरकारी अस्पतालों में ना तो किसी की सुनी जाती है और ना ही शिकायत करने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर किसी प्रकार की कार्रवाई ही होती है। कड़वा है लेकिन सत्य तो यही है कि स्वास्थ्य सेवा में सुधार में बट्टा लगाने वालों में मरीज और उनके तीमारदार नहीं बल्कि खुद अस्पताल का स्टाफ ही जिम्मेदार है।

गणतंत्र दिवस पर भव्य परेड

हर साल 26 जनवरी की सुबह, पूरा देश अपनी टीवी स्क्रीन से चिपक जाता है। वजह होती है– दिल्ली में होने वाली गणतंत्र दिवस की भव्य परेड। आसमान में गरजते लड़ाकू विमान, कदम से कदम मिलाते सैनिक और भारत की संस्कृति की झांकियां देखकर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है।

हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि यह परेड हमेशा 'कर्तव्य पथ' (जिसे पहले राजपथ कहा जाता था) पर ही क्यों होती है? क्या यह हमेशा से यहीं होती थी? जवाब है– नहीं!

आइए जानते हैं इसके पीछे का इतिहास और महत्व पहले नहीं था परेड का कोई एक ठिकाना

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि 1950 में जब पहली बार गणतंत्र दिवस मनाया गया था, तब परेड राजपथ पर नहीं हुई थी। 1950 से 1954 के बीच, गणतंत्र दिवस की परेड दिल्ली में अलग–अलग जगहों पर आयोजित की गई थी। कभी यह इर्विन स्टेडियम में हुई, तो कभी किंग्सवे कैंप, लाल किला और रामलीला मैदान में। यानी शुरुआत के चार साल तक परेड की जगह बदलती रही।

1955 में बदली कहानी

साल 1955 में पहली बार यह फैसला लिया गया कि अब से परेड का आयोजन 'राजपथ' पर ही किया जाएगा। उस समय राजपथ को 'किंग्सवे' के नाम से जाना जाता था। यह जगह इतनी विशाल और खुली थी कि यहां सेना के शौर्य और भारत की ताकत का प्रदर्शन आसानी से किया जा सकता था। तब से लेकर आज तक, यह परंपरा बदस्तूर जारी है।

कर्तव्य पथ ही क्यों... क्या है इसका महत्व?

कर्तव्य पथ, राष्ट्रपति भवन (रायसीना हिल्स) से शुरू होकर इंडिया गेट तक जाता है इंडिया गेट उन शहीदों का स्मारक है जिन्होंने देश के लिए जान दी। जब परेड राष्ट्रपति भवन से निकलकर इंडिया गेट की ओर जाती है, तो यह इस बात का प्रतीक है कि देश की सत्ता अपने शहीदों और जनता के प्रति नतमस्तक है।

किंग्सवे से 'कर्तव्य पथ' तक का सफर

इस रास्ते का इतिहास भी भारत की आजादी की कहानी बयां करता है। अंग्रेजों के जमाने में इसे 'किंग्सवे' (राजा का रास्ता) कहा जाता था। आजादी के बाद इसका नाम बदलकर 'राजपथ' कर दिया गया।

हालांकि, सितंबर 2022 में, भारत सरकार ने गुलामी की हर निशानी को मिटाने के उद्देश्य से इसका नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' कर दिया। इसका संदेश साफ है– यह रास्ता अब राज करने वालों का नहीं, बल्कि देश के प्रति 'कर्तव्य' निभाने वालों का है।

देश की तीनों सेनाएं दिखाती हैं अपना दम

गणतंत्र दिवस का मुख्य आकर्षण कर्तव्य पथ, नई दिल्ली पर होने वाली भव्य परेड है, जिसे पहले राजपथ के नाम से जाना जाता था। बता दें, यह परेड सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सैन्य ताकत का प्रदर्शन है।

इक्कीसवीं सदी सौ टका बुद्धि केंद्रित

यदि राष्ट्रपति ट्रंप अपनी कंपनियों को एक दिन अचानक भारत में गूगल, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, यूट्यूब, एक्स बंद करने का आदेश दें तो कैसे तो भारत सरकार, प्रधानमंत्री मोदी का दफ्तर चलेगा और कैसे 145 करोड़ लोगों का दिमाग चलेगा! आज वास्तविकता है कि भारत की भीड़ न तो निर्णय–निर्माता, न नैरेटिव–निर्माता है और न ही इस काम की आवश्यक ज़रूरत में तकनीक–बुद्धि–ज्ञान–विज्ञान की मौलिक रचनाकार है। जैसे चीन यदि सामान सप्लाई बंद करे तो बाज़ार खाली हो जाने हैं तो नैरेटिव–आइडिया के पाइप यदि ट्रंप बंद करवा दें तो मंदिर के चक्कर लगाते कुत्ते की भक्ति के दर्शन भी स्क्रीन से गुल होंगे। ऐसे ही बाकी देशों, दुनिया की छह अरब आबादी की दशा है। यूरोप भी इसमें शामिल है। जैसे भारत आश्रित है वैसे यूरोप भी अमेरिका और चीन पर निर्भर है। अमेरिका ने दिमाग, नैरेटिव और चीन ने सामान, आवश्यकताओं की वह सप्लाई बनाई है, जिसका ये शायद ही कोई तोड़ निकाल पाएं। अमेरिका की खूबी है कि वह किसी बात में किसी पर निर्भर नहीं है, तो चीन का पच्चीस वर्षों का यह कमाल है, जिसने दुनिया की फैक्टरी व सप्लाई–चेन बनकर लगभग सभी बाज़ारों पर एकाधिकार बना लिया है। उसकी तोड़ केवल अमेरिका के पास है। उसे डोनाल्ड ट्रंप अपने यहां से अगले तीन वर्षों में बेदखल कर देने वाले हैं।

हरिशंकर व्यास

इक्कीसवीं सदी दिमाग की है और प्रमाण पूरी मानवता द्वारा चिप, एआई को मस्तिष्क बनाना है। औद्योगिक क्रांति का बीज भाप से ऊर्जा थी तो नई सहस्राब्दी की मानव क्रांति का बीज वह नया मस्तिष्क है जो डेटा सेंटरों, चिप, रोबो से गुंथता तथा विकसित होता हुआ है। और यह बिना दिल के है। उस नाते मेरा मानना है कि बीसवीं सदी दिल की थी जबकि इक्कीसवीं सदी सौ टका बुद्धि केंद्रित है। और बुद्धि पूरी तरह ठूंठ चिप, एआई निर्माण में केंद्रित है। अभी प्रारंभिक अवस्था है। बावजूद इसके यह दिखने लगा है कि जैसे यूरोपीय पुनर्जागरण से दिल–दिमाग के भभके बने, फिर भाप की औद्योगिक क्रांति के असर में पूंजीवाद बनाम सर्वहारा तथा गणित–गणना–सोच की कोडिंग से डिजिटल क्रांति और इंटरनेट से दुनिया ने भूमंडलीकरण के अनुभव लिए, तो अब बौद्धिक क्रांति मनुष्यता का दिल खो रहा है, लाठी आगे आई है।

भला कैसे? सोचें, यूरोप–अमेरिका 14–15वीं सदी के पुनर्जागरण से अब तक सभी क्रांतियों का जनक रहा, वह अब किस मोड़ पर है? गुजरी दास्तां में यूरोपीय देशों व ढाई सौ साल पुराने अमेरिका का साझा रहा। यूरोप से अमेरिका बना तो अमेरिका से यूरोप बचा। पर अब इक्कीसवीं सदी की जनवरी 2026 में क्या दिख रहा है? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जतला रहे हैं–भाड़ में जाए नाटो, यूक्रेन, यूरोप–वे तो वही करेंगे जो चाहेंगे! अमेरिका निर्विवाद नंबर एक महाशक्ति है। इसका नंबर एक प्रतीक अमेरिका की नई बुद्धिगत (संज्ञानात्मक क्रांति) छलांग है,

जिसके भाप–माफिक एल्गोरिद्म इंजन से वह भारत जैसे देशों की अरबों लोगों की दशा को "गिग मनुष्यों" जैसी बना रहा है!

ऐसी अकल्पनीय ताकत का स्वामी अमेरिका है मगर उसका व्यवहार, उसके राष्ट्रपति की सोच क्या है? उत्तरी ध्रुव के ग्रीनलैंड से लेकर दक्षिणी ध्रुव में चिली से नीचे तक के पूरे पश्चिमी उत्तरार्ध का स्वामी है अमेरिका। यह केवल ट्रंप की सनक नहीं है। यह उस सत्ता–बोध की अभिव्यक्ति है जो उन्हें चुनाव जिताने वालों, चंदा देने वालों, और उनके शपथ समारोह में उपस्थित उन डिजिटल–संज्ञानात्मक क्रांति की अगुआ कंपनियों के सीईओ, सभी में साझा रूप से मौजूद है कि दुनिया जब पहले ही उनकी मुी में है, तो भला राष्ट्रपति भवन से 'अमेरिका फर्स्ट' का नगाड़ा क्यों न बजे?

मेरा मानना है दुनिया–मुी का अमेरिकी अहंकार या चीन, रूस का अहंकार अपने–अपने ठोस आधार लिए हुए है। कोई दो अरब लोगों के इन तीन देशों के आगे पृथ्वी के बाकी छह अरब लोगों का वजूद कुल मिलाकर वैश्विक गिग भीड़ जैसा है। सोचें भारत के 145 करोड़ लोगों पर। यदि राष्ट्रपति ट्रंप अपनी कंपनियों को एक दिन अचानक भारत में गूगल, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, यूट्यूब, एक्स बंद करने का आदेश दें तो कैसे तो भारत सरकार, प्रधानमंत्री मोदी का दफ्तर चलेगा और कैसे 145 करोड़ लोगों का दिमाग चलेगा! आज वास्तविकता है कि भारत की भीड़ न तो निर्णय–निर्माता, न नैरेटिव–निर्माता है और न ही इस काम की आवश्यक ज़रूरत में तकनीक–बुद्धि–ज्ञान–विज्ञान की मौलिक रचनाकार है। जैसे चीन यदि सामान सप्लाई बंद करे तो बाज़ार खाली हो जाने हैं तो नैरेटिव–आइडिया के पाइप यदि ट्रंप बंद करवा दें तो मंदिर के चक्कर लगाते कुत्ते की भक्ति के दर्शन भी स्क्रीन से गुल होंगे ऐसे ही बाकी देशों, दुनिया की छह अरब आबादी की दशा है। यूरोप भी इसमें शामिल है। जैसे भारत आश्रित है वैसे यूरोप भी अमेरिका और चीन पर निर्भर है। अमेरिका ने दिमाग, नैरेटिव और चीन ने सामान, आवश्यकताओं की वह सप्लाई बनाई है, जिसका ये शायद ही कोई तोड़ निकाल पाएं। अमेरिका की खूबी है कि वह किसी बात में किसी पर निर्भर नहीं है, तो चीन का पच्चीस वर्षों का यह कमाल है, जिसने दुनिया की फैक्टरी व सप्लाई–चेन बनकर लगभग सभी बाज़ारों पर एकाधिकार बना लिया है। उसकी तोड़ केवल अमेरिका के पास है। उसे डोनाल्ड ट्रंप अपने यहां से अगले तीन वर्षों में बेदखल कर देने वाले हैं। इसलिए क्योंकि ट्रंप और उनके अनुदारवादी अमेरिकियों ने तय किया है कि लाठी और बुद्धि जब है तो दुनिया पूरी तरह उनकी मुी में बंद हो!

तभी इक्कीसवीं सदी का विश्व, दिमाग व लाठी के उस मिक्स की है जो बीसवीं सदी से जुदा है। बीसवीं सदी में दो महायुद्ध हुए, जर्मनी के हिटलर से लेकर तमाम तरह के दक्षिणपंथी नेताओं ने तानाशाही की विभीषिका बनाई, तो कम्युनिस्ट विचारधारा में स्टालिन, माओ, पोल–पोट जैसे नरभक्षियों के हाथों नरसंहार हुए। बावजूद इसके अंततः मानवता ने स्वतंत्रता, उदारता की नई विश्व–व्यवस्था रची। उपनिवेश खत्म हुए। विकास–भूमंडलीकरण से दुनिया के एक गांव में बदलने की अनहोनी हुई।

मतलब बीसवीं सदी की धुरी में मानव, मानवाधिकार, उदारवाद के वैश्विक सरोकार ऐसे सघन थे, जिसकी नेटवर्किंग ने मनुष्यों का जीना न केवल आसान बनाया, बल्कि घुलने–मिलने सहित अवसरों के मार्ग बने। तभी अतिवादी अनुभवों के बावजूद बीसवीं सदी जन–मन के दिली सफ़र की थी। आम धारणा है कि औद्योगिक क्रांति से असमानता, शोषण हुआ। पूंजीवाद मज़दूर–सर्वहारा वर्ग का खून चूसता था। पर वह दौर यदि एडम स्मिथ पैदा करने वाला था तो कार्ल मार्क्स को भी जन्म देने वाला था। पूंजीवाद के साथ जनवाद, कल्याणकारी व्यवस्था भी बनवाने वाला था। दोनों के प्रयोग में जो हुआ सो हुआ पर सौ फूल खिलने की सदी तो बनी थी। पहली बार सभ्यताओं के संघर्ष की थ्योरी के बीच 'इतिहास के अंतइ तथा होमो सेपियंस के रूप में मानवता के साझा भविष्य का हिसाब–किताब सोचा और लिखा गया।

उस सब पर इक्कीसवीं सदी में ब्रेक है। गंगा उलटी बहने लगी है। भावना, उदारता, दिल और मन नहीं, बल्कि गणित, मुनाफ़े तथा ठूंठपन का वह दिमागी कोना एक्टिव है, जिससे सभी तरफ लोकतंत्र की लोक–भावना झांसों में बहकी हुई है। मतलब जन खाते में पांच सौ या दो हज़ार, तीन हज़ार रुपए आ गए तो विकास घर पहुंचा और नैरेटिव की अमेरिकी पाइपलाइनों से झूठ की टोटी खुली तो विश्वगुरु बन गए।

मात्र भारत का मामला नहीं है। तुर्की में भी ऐसा है तो फ्रांस, जर्मनी और अमेरिका में भी ऐसा है। डोनाल्ड ट्रंप की उपज उस पोस्ट–ट्रुथ से है, जिसमें अमेरिका का देहाती गोरा भी उसी विषाणु का मारा है जैसे गंगा–जमुना किनारे का ब्राह्मण है या कोईरी–कुर्मी है या दक्षिणी फ्रांस में वाइन बनाने वाला किसान (दक्षिणपंथी नेत्री ले पेन समर्थक) है। भूमंडलीकरण, इस्लाम और चीन–तीन ऐसे फ़िनॉमिना थे या हैं, जिससे बीसवीं सदी का खुला दिमाग अचानक सिकुड़ा। हर कोई इस झूठ में जीने लगा कि हम असुरक्षित हैं। नतीजतन या तो 'अमेरिका फर्स्ट' नहीं होने का स्यापा बना या दिमाग सुरक्षा, पहचान, अस्मिता में भयाकुल हुआ।

सो, खुली दुनिया, खुले दिल पर दिमाग में ताले लगने शुरू हुए। स्वाभाविक जो अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का ताला और लाठी उभरी। कल की ही बात है। ग्रीनलैंड को खरीदने के ट्रंप के इरादे के खिलाफ ग्रीनलैंडवासियों और डेनमार्क के लोगों ने प्रदर्शन कर जब कहा कि 'यह इलाक़ा बिक्री के लिए नहीं हैइ तो ट्रंप ने तुरंत लाठी भांजते हुए घोषणा की कि जो यूरोपीय देश ग्रीनलैंड लेने के उनके इरादे में बाधक बनेंगे, उन पर वे नए सिरे से टैरिफ बढ़ाएंगे। मतलब डेनमार्क सहित ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के सामानों पर एक फ़रवरी से दस प्रतिशत टैरिफ बढ़ेगा। वह एक जून को 25 प्रतिशत हो जाएगा! इसके जवाब में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रें ने कहा, "न तो डराने–धमकाने से और न ही किसी धमकी से हम प्रभावित होंगे–न यूक्रेन के मामले में और न ग्रीनलैंड के"। स्वीडन के प्रधानमंत्री का कहना था– "हम अपने आप को ब्लैकमेल नहीं होने देंगे"। वही ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने अमेरिकी टैरिफ धमकी को "पूरी तरह ग़लत" बताया।

सोचें, यूरोपीय देशों पर ट्रंप की इस लाठी पर। ग्रीनलैंड का स्वामी डेनमार्क नाटो का सदस्य है, तो ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी आदि वे देश भी हैं, जिन्होंने अमेरिकी धमकी के बाद ग्रीनलैंड में अपने सैनिक उतार ट्रंप को मैसेज दिया। सवाल है एक फ़रवरी से जब यूरोपीय देशों को अमेरिका से व्यापार में दस प्रतिशत का घाटा होगा तो नाटो एलायंस व यूरोप–अमेरिका के रिश्ते किधर जाएंगे? लेकिन ट्रंप को चिंता नहीं है। उन्हें दिली रिश्तों में नहीं, बल्कि उस लाठी से नए रिश्ते बनाने हैं, जिसके पीछे बुद्धि का अहंकार है।

सो, सब गड़बड़ है। मानवता की चाल इक्कीसवीं सदी में उस मोड़ पर है, जहां से शीतयुद्ध, सभ्यताओं के संघर्ष, चीन–रूस–अमेरिका के परंपरागत रिश्तों से ऊपर, अलग ही दुनिया यानी विश्व–व्यवस्था का अजब रास्ता बनेगा।

रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म मर्दानी 3 का ट्रेलर रिलीज

रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म मर्दानी 3 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। फिल्म के ट्रेलर को साउथ की मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा ने देखा है और इसकी तारीफ की है। उन्होंने इसका ट्रेलर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी शेयर किया है।

मर्दानी 3 के ट्रेलर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए नयनतारा ने लिखा सिर्फ एक ही रानी है, वह है रानी मुखर्जी। यह ट्रेलर वाकई आग लगाने वाला है। आपकी तरह कोई नहीं है। मैं इस फिल्म का इंतजार कर रही हूं। इसके साथ उन्होंने दिल और फायर वाला इमोजी बनाया है।

फिल्म मर्दानी 3 रानी मुखर्जी की मशहूर फिल्म सीरीज मर्दानी का तीसरा पार्ट है। इस फिल्म में रानी एक निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापस आ रही हैं। ट्रेलर में एक डार्क और सीरियस कहानी दिखाई गई है जो क्राइम, दर्द और लापता लड़कियों के बारे में है। ट्रेलर पर दर्शकों ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे बहुत भावुक और असरदार बताया है। मर्दानी 3 में मल्लिका प्रसाद विलेन के किरदार में नजर आएंगी। दर्शकों ने ट्रेलर देख कर उनके अभिनय की तारीफ की है। रानी मुखर्जी और मल्लिका प्रसाद के अलावा इस फिल्म में जानकी बोडीवाला हैं। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर को पद्म श्री, विजय अमृतराज को पद्म भूषण

नई दिल्ली। पद्म पुरस्कारों की घोषणा रविवार, 25 जनवरी को की गई। भारत के टेनिस दिग्गज विजय अमृतराज को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। जबकि भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और भारतीय मेंस टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

ये पुरस्कार भी मिल चुके

अमृतराज इस साल पद्म भूषण प्राप्त करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। पद्म भूषण भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। वहीं, पद्म श्री चौथे स्थान पर है। अमृतराज को इससे पहले 1983 में पद्म श्री और 1974 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रवीण कुमार को पद्म श्री

रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर के अलावा टोक्यो पैरालंपिक में रजत पदक जीतने वाले प्रवीण कुमार और भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता पुनिया को भी पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बलदेव सिंह, भगवानदास रायकवार और के पजानिवेल को खेल जगत में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

हॉकी में दिया योगदान

बलदेव सिंह ने महिला हॉकी में क्रांति ला दी। अमृतराज ने करियर में दो बार विंबलडन और यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहली बार वनडे विश्व कप जीता। रोहित ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी की 2 ट्रॉफी जीतीं। पूर्व कुश्ती कोच व्लादिमीर मेस्तविरिशविली को मरणोपरांत पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

प्रियंका चोपड़ा की द ब्लफ का ट्रेलर जारी

प्रियंका चोपड़ा जोनस की नई अंतरराष्ट्रीय फिल्म द ब्लफ का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में प्रियंका, कार्ल अर्बन के साथ जबरदस्त एक्शन करती नजर आईं। ट्रेलर में पहली बार उनके किरदार एसेंल ब्लडी मैरी बॉडेन की झलक दिखाई गई है। द ब्लफ के ट्रेलर में प्रियंका एक खूंखार महिला समुद्री डाकू (पाइरेट क्वीन) के रूप में नजर आ रही हैं। उनके शरीर पर जख्म के निशान हैं, खून से सनी लड़ाइयां हैं, और बहुत शानदार एक्शन सीन हैं। वो समुद्र में हिंसक झड़पों में हिस्सा लेती हैं और आमने–सामने की लड़ाई करती हैं। प्रियंका का यह एक्शन अवतार उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। द ब्लफ की कहानी पुरानी पाइरेट फिल्मों से अलग है। इसमें जिंदगी बचाने की जंग, सत्ता की लड़ाई और बहुत तगड़ा संघर्ष दिखाया गया है। एसेंल अपना नया जीवन बचाने की कोशिश करती है, लेकिन उसका पुराना अतीत वापस आ जाता है। पुराना दल लौट आता है, तो उसे वफादारी और जिंदा रहने की मुश्किलों से जूझना पड़ता है।

एआर रहमान की धुन पर थिरकेंगी मृणाल ठाकुर, पेड्डी में साल का सबसे बड़ा डांस नंबर

सुपरस्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म पेड्डी को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है और ये जुड़ा है सीता रामम स्टार मृणाल ठाकुर से। चर्चा है कि फिल्म के एक खास और बेहद धमाकेदार गाने के लिए निर्माताओं ने मृणाल से संपर्क किया है। इससे भी रोमांचक बात ये है कि मृणाल को इस गाने के जरिए ऑस्कर विजेता और दिग्गज संगीतकार एआर रहमान की धुन पर थिरकने का एक सुनहरा मौका मिलने जा रहा है। ओटीटी प्ले को फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि फिल्म के स्पेशल डांस नंबर के लिए मृणाल से संपर्क किया गया है। मृणाल और राम चरण का पहली बार साथ आना न केवल फिल्म को प्रभावशाली बनाएगा, बल्कि ये दर्शकों के लिए एक बड़ा सरप्राइज भी साबित होगा। राम चरण के जबरदस्त डांस, मृणाल की अदाओं का कमाल और एआर रहमान के संगीत एक साथ मिलकर बड़े पर्दे पर इस गाने को बेहद यादगार बना देगा।

बहिष्कार की धमकी देने के बाद पलटा पाकिस्तान

लाहौर, बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बाहर होने के बाद टूर्नामेंट से हटने की धमकी देने वाले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 24 घंटे के भीतर अपनी बात से पलटते हुए रविवार को टी–20 विश्व कप के लिए टीम घोषित कर दी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत आने से इन्कार करने के बाद बांग्लादेश की जगह स्काटलैंड को विश्व कप में शामिल करने की घोषणा की थी। जिसके बाद पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कहा था कि हम बांग्लादेश के साथ मजबूती से खड़े हैं और हमारे विश्व कप में खेलने का फैसला पाकिस्तान सरकार करेगी, लेकिन टीम की घोषणा के बाद उसके टूर्नामेंट में नहीं खेलने की अटकलों पर भी विराम लग गया। पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा। टीम की घोषणा रविवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में की गई, जिसमें पीसीबी के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद, कप्तान सलमान अली आगा और कोच माइक हेसन मौजूद थे। हालांकि जावेद ने कहा कि चयन समिति का काम टीम चुनना है और टूर्नामेंट में खेलने का फैसला पीसीबी और सरकार करेगी। पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया है और वह सात फरवरी को कोलंबो में अपने अभियान की शुरुआत नीदरलैंड्स के विरुद्ध करेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो में खेला जाएगा, जो तटस्थ स्थल पर मैच खेलने को लेकर पिछले साल हुए त्रिपक्षीय समझौते का हिस्सा है। आइसीसी की बैठक में बीसीबी का समर्थन करने वाला पाकिस्तान एकमात्र देश था और पीसीबी ने कहा था कि अगर बांग्लादेश को बाहर किया जाता है तो वह भी टूर्नामेंट से हटने पर विचार कर सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उत्तराखण्ड शासन

संकल्प से शिखर तक

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ

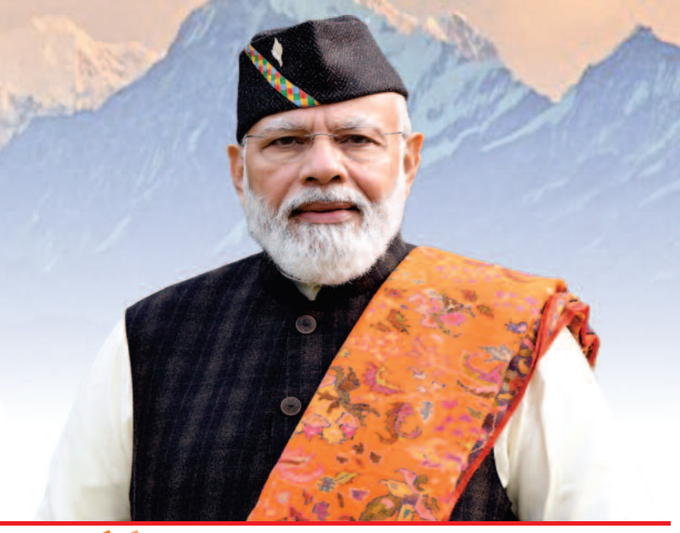

26 जनवरी

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

- स्वतंत्र भारत के इतिहास में समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश में प्रथम राज्य बना उत्तराखण्ड।
- नीति आयोग द्वारा जारी निर्यात तैयारी सूचकांक (Export Preparedness Index – EPI) 2024 में उत्तराखंड ने छोटे राज्यों की श्रेणी में प्रथम स्थान किया प्राप्त।
- बीते 4 वर्षों में 26,500 से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी।
- उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक, 2025 को मिली मंजूरी। प्रदेश में संचालित मदरसों को अब उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण से लेनी होगी मान्यता।
- राज्य में 10 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि हुई अतिक्रमण से मुक्त।
- राज्य के इतिहास में पहली बार 1 लाख करोड़ से अधिक का बजट।
- ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹ 3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. हुए साईन। इस वर्ष तक ₹ 1 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग।
- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) द्वारा जारी States' Startup Ecosystem Ranking (5वां संस्करण) में उत्तराखण्ड को मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने में 'लीडर' के रूप में मिली मान्यता
- राज्य आंदोलनकारियों के लिए सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण हुआ लागू।
- राज्य में सशक्त भू कानून हुआ लागू।
- राज्य में सख्त धर्मान्तिरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू।
- राज्य में कुल 58 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड किए गए वितरित।
- उधम सिंह नगर के किच्छा में एम्स की सैटलाइट सेंटर का निर्माण कार्य गतिमान।
- राज्य में महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण हुआ लागू। सहकारी प्रबंध समितियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित।
- शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को ₹ 10 लाख से बढ़ाकर किया ₹50 लाख। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि ₹50 लाख से बढ़ाकर की गई डेढ़ करोड़।
- केदारनाथ पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत पौराणिक मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य जारी।
- गौरीकुण्ड से केदारनाथ एवं गोविन्दघाट से हेमकुण्ड साहिब तक रोपवे निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास।
- दिल्ली देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के बनने से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूरा।
- नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) इंडेक्स में उत्तराखंड को मिला देश में प्रथम स्थान।
- छद्म भेषधारियों के खिलाफ ऑपरेशन कालनेमि की हुई शुरुवात।
- खनन सुधारों में उत्तराखण्ड का उत्कृष्ट प्रदर्शन, देश में हासिल किया दूसरा स्थान , केंद्र सरकार ने जारी की ₹200 करोड़ की प्रोत्साहन राशि।
- उत्तराखंड ने 38वें राष्ट्रीय खेलों का किया सफल आयोजन, कुल 103 पदक जीतकर, पदक तालिका में 7वां स्थान किया हासिल।
- राज्य के स्कूलों में बच्चों के पाठ्यचर्या में शामिल होगा श्रीमद् भगवत गीता का अध्ययन
- उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये मेगा इण्डस्ट्रियल एवं इन्वेस्टमेंट नीति-2025 मंजूरी

विकास के नये अध्याय की ओर अग्रसर
देवभूमि उत्तराखण्ड

वोकल फॉर लोकल

आदि कैलाश

हस्तशिल्प

वंदे भारत

वेडिंग डेस्टिनेशन

वाइब्रेंट विलेज

प्रधानमंत्री जी के नौ आग्रह

स्थानीय लोगों से:

बोली भाषा का संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छ जल, गांव से जुड़ाव,तिबारी वाले घरों को संवारें

पर्यटकों से :

सिंगल यूज प्लास्टिक से बचें, वोकल फॉर लोकल, यातायात के नियम अपनाएं, तीर्थों की मर्यादा का पालन करें

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

@DIPR_UK #ExploreUttarakhand

कांग्रेस की गोष्ठी के माध्यम से मनरेगा बचाने की अपील

नई टिहरी। मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत प्रतापनगर के गैरी गांव में कांग्रेस प्रदेश कार्य समिति सदस्य सब्बल सिंह राणा के नेतृत्व में गोष्ठी संपन्न हुई। कांग्रेसियों ने गोष्ठी के दौरान ग्रामीणों से मनरेगा बचाने के लिए आगे आने की अपील की। कांग्रेस प्रदेश कार्य समिति सदस्य राणा ने गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने मनरेगा गारंटी को बदलने काम कर श्रमिकों को उनके हक से वंचित कर दिया है। योजना के तहत भविष्य में ग्राम पंचायत अपनी मर्जी से कोई कार्य नही कर पाएगी जिसकी सीधी मार ग्रामीण क्षेत्र के अकुशल और कुशल श्रमिकों पर पड़ेगी। भाजपा सरकार ने मनरेगा का नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार करके राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और रविंद्र नाथ टैगोर जैसी महान हस्तियों को अपमानित करने का काम किया है। कहा कि मनरेगा योजना में सौ दिन के रोजगार दिए जाने की गारंटी थी लेकिन केंद्र सरकार ने योजना में 125 दिन रोजगार देने की बात तो कही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने योजना में 60 प्रतिशत स्वयं तथा 40 प्रतिशत राज्यों का अंश निर्धारित किया है। इस मौके पर कैलाश पंवार, शूरवीर भंडारी, युद्धवीर सिंह, मोहन नेगी, त्रिलोक चंद रमोला, आनंद नेगी, विजय राणा, सूरत चंद रमोला, जय सिंह,भगवान सिंह, गुमान सिंह, राजवीर रावत, पदम सिंह नेगी, शेर सिंह कठैत, चिरंजीव लाल, कोमल नेगी, सुंदर सिंह, चतर सिंह, जगदीश लाल आदि मौजूद थे।

कांग्रेसियों ने यूपी सरकार की सद्बुद्धि के लिए की प्रार्थना

उत्तरकाशी। प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके समर्थकों के साथ पुलिस ने जो अभद्रता की उसको लेकर कांग्रेस खुलकर उनके समर्थन में आई है। जिला कांग्रेस कमेटी उत्तरकाशी के बैनर तले कांग्रेसियों ने हनुमान मंदिर परिसर में साधु–संतों के साथ बैठकर उत्तर प्रदेश सरकार की सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की। इस दौरान कांग्रेसियों ने दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की। रविवार को जिलाध्यक्ष प्रदीप रावत के नेतृत्व में कांग्रेसी हनुमान मंदिर परिसर में एकत्रित हुए। वक्ताओं ने कहा कि यूपी सरकार जिस प्रकार स्वयं को हिंदू धर्म की अगुवाई करने वाली बताती है। उसी सरकार ने हिंदू धर्म के सर्वोच्च आध्यात्मिक पद पर आसीन स्वामी के साथ किया गया व्यवहार अत्यंत निंदनीय है। यह सरकार की कथनी और करनी के अंतर और दोहरे मानदंडों को उजागर करता है। यह सरकार अपनी राजनीति के लिए धर्म का उपयोग करती है जबकि उसके आचरण में हिंदू धर्म के मूल्यों के प्रति सम्मान नही दिखता। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने एक स्वर में मांग रखी कि उत्तर प्रदेश सरकार इस कृत्य पर सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना करे और साधु संतों के सम्मान को सुनिश्चित करे। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख कनकपाल सिंह परमार, महावीर रावत, कविता जोगेला, मधु रावत, जितम सिंह रावत, सूरज राणा, सूर्यवल्लभ नौटियाल, भगवान चंद, सुधीश नौटियाल, रमन कठैत, विवेक मिनान उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने उपवास रखकर जताया विरोध

लालढांग। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सहित उनके अनुयायियों और वेद पाठियों के साथ उत्तर प्रदेश शासन–प्रशासन की ओर से की गई कार्रवाई का कांग्रेसियों और गो सेवा से जुड़े लोगों ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए स्वामी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर नवदुर्गा मंदिर परिसर में उपवास पर बैठे। रविवार को कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष शांति प्रसाद भट्ट, राकेश राणा, विजय गुनसोला, देवेंद्र नौडियाल, दर्शनी रावत ने मंदिर परिसर में उपवास के दौरान कहा कि यूपी सरकार वेदपाठी बटुक ब्राह्मणों की शिखा खींच कर उन्हें पीट रही है। इस मौके पर मुर्तजा बेग, रमेश गुनसोला, गबर सिंह रावत, वीरेंद्र दत्त, बृद्धपाल परमार, गंगा गुनसोला उपस्थित रहे। दूसरी ओर, प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी राजेश्वरी मंदिर खांड गांव में सांकेतिक उपवास पर बैठे रहे।

संक्षिप्त समाचार

आज शहर में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में आज गणतंत्र दिवस धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इसकों लेकर नगर निगम ने तैयारियां पूरी कर ली है। शहर में विभिन्न विद्यालयों की ओर से प्रभात फेरी भी निकाली जाएगी।

सोमवार को गणतंत्र मनाया जाना है। गणतंत्र दिवस को भक्त तरीके से मनाने के लिए नगर निगम ने तैयारियां कर ली है। झंडाचौक, नजीबाबाद चौक सहित अन्य चौराहों पर लाउडस्पीकर के माध्यम से देश भक्ति गीत चलाए जा रहे हैं। वहीं, आमजन से भी गणतंत्र दिवस को भव्य तरीके से मनाने की अपील की जा रही है। मालवीय उद्यान में विभिन्न विद्यालयों की ओर से प्रभात फेरी भी निकाली जाएगी। चौराहों को आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की लाइट भी लगाई जा रही है। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने बताया कि युवाओं व बच्चों को गणतंत्र के इतिहास के प्रति जागरूक करने के लिए नगर निगम ने गणतंत्र दिवस को भव्य रूप देने का निर्णय लिया है। निर्धारित समय पर शहर में ध्वजारोहण किया जाएगा। बताया कि कार्यकम को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा को लेकर पुलिस मुस्तैद

रुद्रप्रयाग। गणतंत्र दिवस पर होने वाले विभिन्न आयोजनों के लिए गुलाबराय मैदान सज गया है। सोमवार को यहां गणतंत्र दिवस पर भव्य आयोजन होंगे। जिलाधिकारी की ओर से परेड का निरीक्षण किया जाएगा। विभिन्न स्कूलों की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। सुबह सात बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी। वहीं गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस मुस्तैद है। पुलिस की ओर से सघन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। संवेदनशील क्षेत्रों पर निगरानी बढ़ाई है। संदिग्ध व्यक्तियों और लावारिस वस्तुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। अंतरजनपदीय बॉर्डर और राज्य की सीमाओं से जुड़ने वाले बैरियरों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। पुलिस अधीक्षक अक्षय कोंडे ने जनता से अपील की है कि वे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। यदि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखाई दे तो तत्काल नजदीकी पुलिस थाने या 112 पर सूचना दें।

रुद्रप्रयाग जिले को मिला स्टेट बेस्ट इलेक्ट्रोरल प्रैक्टिसेज अवॉर्ड

रुद्रप्रयाग। प्री–एसआईआर के दौरान मतदाताओं की मैपिंग में उत्कृष्ट कार्य करने पर रविवार को रुद्रप्रयाग जनपद को स्टेट बेस्ट इलेक्ट्रोरल प्रैक्टिसेज अवॉर्ड–झ2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान जिलाधिकारी प्रतीक जैन को भारत निर्वाचन आयोग की ओर से लोकभवन ऑडिटोरियम में राज्यपाल ने दिया। जनपद में प्री–एसआईआर के दौरान मतदाता मैपिंग के कार्य को प्रभावी, व्यवस्थित एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ ढंग से संपादित करने व निर्वाचन कार्यों में पारदर्शिता पर यह अवॉर्ड दिया गया। रुद्रप्रयाग के साथ–साथ प्रदेश के अन्य तीन जनपद बागेश्वर, उत्तरकाशी एवं चंपावत को भी यह सम्मान दिया गया।

विविड वाइपर विजेता और सम्राट क्रिकेट क्लब बना उप विजेता

नई टिहरी। सम्राट स्पोर्ट्स एकेडमी एवं पहाड़ क्रिकेट समिति की पहल पर आयोजित क्रिकेट मैच में विविड वाइपर की टीम विजेता और सम्राट क्रिकेट क्लब उप विजेता रहा। विजेता और उप विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ नकद धनराशि देकर सम्मानित किया गया। बौराड़ी स्टेडियम में क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला विविड वाइपर और सम्राट क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। टीएचडीसी के अधिकारी एमके सिंह और नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने टीएचडीसी की ओर से विजेता टीम को 41 हजार व उप विजेता टीम को 21 हजार धनराशि के साथ ट्रॉफी भेंट की गई। समिति के अध्यक्ष हनुमंत महर ने बताया कि सम्राट क्रिकेट क्लब ने टॉस जीत कर विविड वाइपर टीम को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। विविड वाइपर की टीम ने निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर 160 रन बनाएं। लक्ष्य का पीछे करने उतरी सम्राट क्रिकेट क्लब की टीम ने 156 रन ही बना पाई। विविड वाइपर के खिलाड़ी नवेंद्र प्रताप ने 46, अखिलेश उनियाल ने 56 रन तथा आशुतोष ने 18 रन बनाएं। वहीं सम्राट क्लब के खिलाड़ी प्रियांशु और शुभम की जोड़ी 9 ओवरों में 95 रन बनाएं। आखिरी ओवर में क्लब चार रन से मैच हार गया। सुमित रावत को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है। प्रियांशु को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और रजनीश सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार दिया गया।

राह में खुली मौत, जिम्मेदार मौन

कोटद्वार में गोविंद नगर से काशीरामपुर को जाने वाले मार्ग पर क्षतिग्रस्त स्लैब

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत गोविंदनगर से काशीरामपुर तल्ला को जाने वाले मार्ग पर क्षतिग्रस्त स्लैब व चैंबर हादसों को न्यौता दे रहे हैं। मार्ग पर कब बड़ी दुर्घटना हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। शिकायत के बाद भी जिम्मेदार सिस्टम समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा।

गोविंद नगर से काशीरामपुर तल्ला अनूप बिहार की ओर जाने वाले बड़े नाले पर दशकों पूर्व स्लैब व चैंबर का निर्माण करवाया गया था। लेकिन, वर्तमान में यह चैंबर व स्लैब पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। कई स्थानों पर सरिये तक बाहर निकल गए हैं। स्लैब टूटने से राहगीरों के नाले में गिरने का डर बना हुआ है। सबसे अधिक खतरा छोटे बच्चों को बना हुआ है। दरअसल, मार्ग पर शाम के समय कई छोटे बच्चे खेलते रहते हैं। स्थानीय निवासी मनोज सिंह, राघव ने बताया कि पूर्व में उन्होंने चैंबर व टूटी स्लैब के मरम्मत के लिए अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाया। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। वर्षा होने से यह नाला पानी से लबालब भरकर बहता है। बावजूद जिम्मेदार सिस्टम लापरवाह बना हुआ है। स्थिति देखकर लगता है कि सिस्टम को किसी बड़े हादसे का इंतजार है।

रात के अंधेरे में खतरा

मार्ग पर पर्याप्त लाइट नहीं होने के कारण क्षतिग्रस्त स्लैब व चैंबर दिखाई नहीं देते। जिससे रात के अंधेरे में खतरा बना रहता है। कुछ दिन पूर्व एक स्कूटी सवार क्षतिग्रस्त चैंबर की चपेट में आने से घायल हो गया था। यही नहीं एक युवक का पैर सरिये से कट भी गया था। स्थानीय लोगों ने मार्ग पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगवाने की भी मांग उठाई है।

चोरी की मोटरसाइकिल व पुर्जों के साथ चार गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोतवाली पुलिस ने दो मोटरसाइकिल व मोटरसाइकिल के पुर्जों के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया है। युवक मोटरसाइकिल चोरी कर उसके अलग-अलग पुर्जों को बेचते थे ।

कोटद्वार के कोतवाली परिसर में चोरी की मोटरइसाकिल व पुर्जों के साथ गिरफ्तार आरोपित

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि क्षेत्र में लगातार मोटर साइकिल चोरी होने की सूचनाएं मिल रही थी। जिसके बाद पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। बताया कि शहर के अलग–अलग स्थानों पर सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर कुछ युवक चोरी की घटना में शामिल दिखाई दिए। बीईएल रोड में तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने तेज मोटरइसाकिल में आ रहे युवकों को रोका। बताया कि जब युवकों से मोटरसाइकिल के दस्तावेज मांगे गए तो वह गोलमोल जवाब देने लगे। बताया कि युवकों की पहचान उत्तर प्रदेशनगीना ग्राम कोटकादर निवासी मुकुल, जनपद देहरादून काडोली तल्ली राजीव नगर निवासी वंश व उत्तर प्रदेश जिला बिजनौर नगीना देहात ग्राम कोटकादर निवासी सौरभ के रूप में हुई। पूछताछ में युवकों ने बताया कि उन्होंने उक्त मोटरइसाकिल को घराट रोड से चोरी किया है। पुलिस के अनुसार युवक शहर में मोटरसाइकिल चोरी कर उसे नगीना कोटकादर निवासी मैकेनिक अजय को बेचते थे। जिसके बाद अजय मोटरसाइकिल के अलग-अलग पुर्जे बेचता था। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर एक मोटरसाइकल व मोटर साइकिल के कई पुर्जे बरामद किए हैं।

युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः चौबट्टाखाल तहसील के अंतर्गत नंदाखाल में युवाओं को जीवन जीने के कौशल सिखाए गए। तीन दिवसीय कार्यशाला में युवाओं को विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से निर्धारित दस जीवन कौशल के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

फ्रेंडस ऑफ हिमालय और भलु लगद (फीलगुड) ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में 18 से 21 वर्ष की आयु वाले युवक–युवतियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से निर्धारित दस आवश्यक जीवन कौशल, जिनमें स्वयं की पहचान, समानुभूति, आलोचनात्मक व रचनात्मक चिंतन, निर्णय निर्माण, समस्या समाधान, प्रभावी संवाद, पारस्परिक कौशल, तनाव व भावनाओं से निपटने की क्षमता पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही सूचना आधारित समाज में सही और गलत के बीच भेद करने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण के महत्व पर भी विचार–विमर्श किया गया। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में इन जीवन कौशलों को उदाहरणों, समूह चर्चा व व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से भी समझाया गया। कार्यक्रम संयोजक डा.प्रेम बहुखंडी ने कहा कि जीवन कौशल आज के युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता व जिम्मेदार नागरिकता की बुनियाद हैं। भलु लगद ट्रस्ट के संस्थापक सुधीर सुंद्रियाल ने कहा कि यह प्रशिक्षण पहाड़ी युवतियों को आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता व सामाजिक सहभागिता के लिए तैयार करता है। शिविर में प्रेम बहुखंडी, सुधीर सुंद्रियाल व लता भूषण बंदूनी मुख्य प्रशिक्षक रहे। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की श्वेता, ऋषभ जड़धारी, आत्मरक्षा प्रशिक्षक स्नेहा जोशी व किरण रावत ने विभिन्न विषयों पर संवाद सत्र आयोजित किए। प्रबंधन की जिम्मेदारी विजय भूषण बंदूनी, रवींद्र नेगी, दिव्या डोभाल, अभिषेक रावत व सूजल रावत ने निभाई। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य पूनम कैंतुरा, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र रावत, भगवान सिंह राणा, महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यकारी ब्लाक कार्यक्रम अधिकारी सुशीला रावत, रेखा रावत ने भी अपने अनुभव साझा किए।

वाहनों से हटवाई जाएं नेम प्लेट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने वाहनों पर अनाधिकृत नेम प्लेट लगाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। कहा कि न्यायालय के आदेश के बाद भी नियमों के पालन को लेकर सरकारी सिस्टम लापरवाह बना हुआ है।

समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत ने इस संबंध में पुलिस महानिदेश-ाक को ज्ञापन भेजा। कहा कि कुछ वर्ष पूर्व न्यायालय ने वाहनों पर अनाधिकृत नेम प्लेट लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के कड़े निर्देश दिए थे। बावजूद पुलिस व परिवहन विभाग की ओर से इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा, आज सड़कों पर कई ऐसे वाहन घूम रहे हैं, जिन पर नेम प्लेट अंकित है। कहा कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की जानी चाहिए।

विद्यार्थियों को बताया मतदान का महत्व

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में मतदान जागरूकता को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को मतदान के महत्व के बारे में बताया गया। इस दौरान प्रतियोगिताओं में शिवानी व रितिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना और विद्यालय की निर्वाचन साक्षरता क्लब की ओर से विद्यालय में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को मतदान के महत्व के बारे में बताया। कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए हमें अवश्य अपने मत का प्रयोग करना चाहिए।

लोकतंत्र के पर्व में प्रत्येक मतदाता की शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए वर्ष– 2011 से हर वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदान दिवस मनाया जाता है। इसके लिए हर वर्ष थीम निर्धारित की जाती है।

पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

कहा कि हमें अधिक से अधिक लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। जिससे देश के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाया जा सकें। इस दौरान विद्यार्थियों को एसआईआर के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। अभियान के दौरान आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता में शिवानी, अनुष्का, मयंक चौहान, चित्रकला में रितिका, अर्चना, कनिष्का व निबंध में अस्मिता नेगी, सिमरन व श्वेता ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर विश्वजीत सिंह, गौरव चौहान, अरविंद सिंह, रितेश सिंह, चांदनी आदि मौजूद रहे।

शंकराचार्य के अपमान पर कांग्रेस ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः उत्तर प्रदेश के प्रयाग राज में माघ मेले के दौरान स्नान के लिए जा रहे शंकराचार्य के साथ अभद्रता किए जाने पर कांग्रेस ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि देश में संतों का अपमान किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

देवीमंदिर तिराहे पर जगदगुरू शंकराचार्य अवमुक्तेश्वरा नंद के अपमान के विरोध में धरना देते कांग्रेस कार्यकर्ता।

रविवार को कांग्रेसियों ने देवी मंदिर के समीप धरना दिया। साथ ही केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। कांग्रेस की महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण कहा कि भाजपा सरकार संतों का अपमान कर रही है।

धर्मनगरी प्रयागराज में जगदगुरू शंकराचार्य अवमुक्तेश्वरानंद के साथ अभ्रदता पूरे संत समाज का अपमान है। कहा कि धर्मगुरूओं के साथ इस प्रकार के अपमान को सहन नहीं किया जा सकता है। कहा कि लोकतांत्रिक भारत में संतों के सम्मान और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा हर हाल में होनी चाहिए। कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव संविधान, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सौहार्द की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। कहा कि जगदगुरू शंकराचार्य को सम्मान सहित स्नान करवाया जाए व उनके साथ अभद्रता करने वाले लोगों को दंडित किया जाए। इस मौके पर प्रीति देवी, सुनील सेमवाल, अमित राज सिंह, शूरवीर खेतवाल, हेमचंद पंवार, देवेंद्र नेगी, सतेंद्र नेगी, राकेश शर्मा, विजय माहेश्वरी, अनिल वर्मा, राजीव कपूर, मानशेर सिंह सैनी, बलबीर सिंह रावत, प्रदीप नेगी मौजूद रहे।

रैली निकालकर मतदान का महत्व बताया

चमोली। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पोखरी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्राओं ने रैली निकालकर और विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से मतदान के महत्व का संदेश दिया। विद्यालय परिसर में शिक्षक–शिक्षिकाओं व कर्मचारियों ने मतदान की शपथ ली। प्रधानाचार्य विजया लक्ष्मी रावत ने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी छात्राओं से अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की। उसके बाद छात्राओं ने मतदान के नारे व स्लोगन लिखी तख्तियों के साथ इंटर कॉलेज से पोखरी बाजार तक रैली निकाली। इसके बाद हुई पेंटिंग प्रतियोगिता में एकता प्रथम, निधि द्वितीय और निकिता तृतीय स्थान पर रहीं। स्लोगन में आरुषी प्रथम, प्रिया द्वितीय और मीनाक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। निबंध में संतोषी प्रथम, मीना द्वितीय और अंजलि तृतीय स्थान पर रहीं।

सिरवाड़ी गांव को मिलेगी सड़क की सौगात

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः विकास खंड कीर्तिनगर के सिरवाड़ी गांव के ग्रामीणों का पांच साल पुराना सपना अब पूरा होने जा रहा है।

केंद्र सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने चौरीखाल-सिरवाड़ी-कांडा मोटर मार्ग निर्माण के लिए वन भूमि को मंजूरी दे दी है। अब लोनिवि विभाग की ओर से निर्माण कार्य की डीपीआर तैयार कर प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है। करीब 300 परिवारों वाले इस गांव के लोग अब तक सड़क न होने से ढाई किलोमीटर की कठिन चढ़ाई–उतराई तय करने के लिए मजबूर थे। प्रधान उषा देवी व ग्रामीण धन सिंह रावत ने बताया कि शासन ने पांच वर्ष पूर्व इस मार्ग को स्वीकृति दी थी लेकिन वन भूमि और आपसी विवाद के कारण काम शुरू नहीं हो सका।बताया कि प्रस्तावित मोटर मार्ग चौरीखाल से सिरवाड़ी गांव होते हुए धौडंगी–सौराखाल मार्ग से जुड़ेगा। सड़क बनने से आसान होगी और वसायिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। कहा कि गांव में सड़क न होने से बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाना सबसे अधिक चुनौती बनी थी। अब सड़क निर्माण से सभी मुश्किलें आसान हो जाएंगी।

लोनिवि कीर्तिनगर के अधिशासी अभियंता धीरेंद्र कुमार ने बताया कि सड़क निर्माण में आने वाली वन भूमि को वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद अब सड़क निर्माण की डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी जा रही है। स्वीकृति मिलते ही निर्माण प्रक्रिया शुरू करेंगे।

सुनार गांव ने कॉकटेल पार्टी पर लगाई रोक

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक के सुनार गांव के लोगों ने सामाजिक सरोकार और संस्कारों की दिशा में साहसिक कदम उठाते हुए गांव में होने वाले सभी सामाजिक और धार्मिक आयोजनों को पूरी तरह नशामुक्त घोषित कर दिया है।

अब गांव में शादी–विवाह, जन्मदिन, नामकरण, मुंडन संस्कार सहित किसी भी प्रकार के धार्मिक या पारिवारिक आयोजन में शराब परोसना या सेवन करना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इस संबंध में ग्राम सभा की खुली बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। ग्राम प्रधान आशा रावत की अध्यक्षता में नरसिंह देवता मंदिर परिसर में आयोजित ग्राम सभा की बैठक में शराब और कॉकटेल पार्टी के बढ़ते चलन पर चर्चा हुई। बैठक में गांव के बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने एक स्वर में कहा कि शादी–ब्याह और धार्मिक आयोजनों में शराब परोसने की परंपरा पहले कभी भी हमारे संस्कारों का हिस्सा नहीं रही। खुशी और उत्सव के नाम पर शराब को सामाजिक स्वीकार्यता देना हमारी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर कर रहा है।

ग्रामीणों ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कॉकटेल पार्टी का चलन बढ़ने से आयोजनों में विवाद, लड़ाई–झगड़े की घटनाएं बढ़ी हैं। इसी को देखते हुए ग्राम सभा ने निर्णय लिया कि यदि कोई व्यक्ति गांव में किसी भी आयोजन के दौरान शराब पीते या किसी को पिलाते हुए पाया गया तो उससे 51 हजार रुपये का अर्थदंड वसूला जाएगा। यदि कोई परिवार जानबूझकर ग्राम सभा के इस निर्णय का उल्लंघन करते हुए कॉकटेल पार्टी का आयोजन करता है, तो ग्राम पंचायत स्तर पर उस परिवार का सामूहिक सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा।

बैठक में वीरेंद्र राणा, चंदन सिंह राणा, प्रदीप सिंह राणा, शूरवीर सिंह रावत, शांति सिंह पुरसोडा, बच्चन सिंह, रायचंद पुरसोडा, कमला देवी, पुष्पा देवी, यशोदा देवी, पार्वती देवी, रेखा देवी, उमा देवी, सुलोचना देवी, राधिका देवी, कविता देवी आदि उपस्थित रही।

पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल को सराहनीय सेवा पदक

रुद्रप्रयाग। जनपद में कार्यरत पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए गृह मंत्रालय की ओर से सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान केंद्र सरकार की ओर से गणतंत्र दिवस से पूर्व देशभर के पुलिस बलों एवं पैरामिलिट्री फोर्सेज के अधिकारी–कर्मचारियों को दिया जाएगा। पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल ने सेवाकाल के दौरान कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अपराध नियंत्रण और जन–सेवा में तत्परता से कार्य किया है। उनकी इसी कार्यकुशलता और कर्तव्य के प्रति समर्पण को देखते हुए केंद्र सरकार की ओर से उनका चयन किया गया है।

कर्णप्रयाग महाविद्यालय की तीन छात्राओं को मिले स्वर्ण पदक

चमोली। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अध्ययनरत तीन छात्राओं ने अपने–अपने विषय में स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में महाविद्यालय कर्णप्रयाग की एमएससी गणित की छात्रा कंचन, एमए अंग्रेजी की कनिका नेगी और बीएससी बॉयो ग्रुप की अमिषा रावत ने सर्वोच्च अंक प्राप्त किए और उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। बीते दिनों ऋषिकेश में आयोजित दीक्षांत समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और कुलपति प्रो. एनके जोशी ने उन्हें स्वर्ण पदक और उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने कहा कि सीमित संसाधनों में दूरस्थ ग्रामीण परिवेश की छात्राओं की उपलब्धि से विद्यालय गौरवान्वित हुआ है।

कर्णप्रयाग में एक और गैरसैंण में 8 को होगा विराट हिंदू सम्मेलन

चमोली। कर्णप्रयाग और गैरसैंण में विराट हिंदू सम्मेलन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कर्णप्रयाग मुख्य बाजार में एक फरवरी और गैरसैंण में 8 फरवरी को सम्मेलन का आयोजन होगा। इसके लिए कर्णप्रयाग में गोपाल ममगाईं और गैरसैंण बीपी काला को संयोजक मनोनीत किया गया।

रविवार को कर्णप्रयाग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं अनुसांगिक संगठनों की बैठक में हिंदू सम्मेलन पर चर्चा की गई। देवतोली में आयोजित बैठक में विहिप के प्रांतीय उपाध्यक्ष चिंतामणि सेमवाल, जिला कार्यवाह विष्णुदत्त भट्ट आदि ने कहा कि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी संगठनों को एकजुट होकर काम करना होगा। वहीं गैरसैंण के ब्लॉक सभागार में आयोजित बैठक में आरएसएस के जिला संघ चालक दिगंबर प्रसाद गैड़ी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए एक कमेटी का गठन कर बीपी काला को संयोजक बनाया। जानकी रावत को सह संयोजक, गंगा सिंह पंवार को कोषाध्यक्ष, कुसुमलता गैड़ी को सह कोषाध्यक्ष, वीरेंद्र टम्टा को सचिव तथा विमला गैरोला व ऋतु जोशी को सदस्य और मंच संचालन के लिए दिनेश चंद्र गौड़ को सर्वसम्मति से नामित किया गया। इस दौरान पतंजलि योगपीठ के वीरेंद्र सिंह नेगी, सैल्यूट तिरंगा के सूर्यदर्शन, दिनेश उनियाल, प्रमुख दुर्गा देवी, भाजयुमो के जिला अध्यक्ष पंकज गैडी, महावीर रावत, डीपी उनियाल और प्रदीप आदि उपस्थित रहे।

चार माह से वेतन नहीं मिलने पर आउटसोर्स कर्मचारियों में रोष

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने चार माह से कर्मचारियों को मासिक वेतन न मिलने पर रोष जताया। उन्होंने कहा कि चार माह हो गया है। लेकिन कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला जिससे भारी परेशानी का समाना करना पड़ रहा है। उन्होंने इस संबंध में भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान से मुलाकात की। भाजपा प्रदेश मीडिया को प्रेषित ज्ञापन में संगठन के जिला उपाध्यक्ष आशुतोष पंवार ने बताया कि राज्य सहित पूरे जनपद में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को चार माह से वेतन नहीं मिला। जिससे आउटसोर्स कर्मचारियों में भारी रोष है। कहा कि चार माह से वेतन न मिलने से परिवार का भ्ररण भोषण करना भी मुश्किल हो गया है।

सीमांत क्षेत्रों के ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने में जुटी समिति

चमोली। लूम्स ऑफ नीती–माणा समिति की ओर से सीमा क्षेत्र नीती और माणा घाटी की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वदेशी भेड़ों की ऊन से नए डिजाइन के गर्म वस्त्रों को तैयार करने के गुर सिखाए जा रहे हैं। ग्रामीणों को पारंपरिक ऊन शिल्प को पुनर्जीवित करने, पालसी (पालतू) भेड़ों की स्वदेशी ऊन से बने हिमालयी वस्त्रों को वापस बाजार में लाने और आजीविका संवर्द्धन के लिए प्रेरित किया जा रहा है और उन्हें ऊन तैयार करने और उनसे कपड़े तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।मौजूदा समय में बाजार की डिमांड हल्के और नए डिजाइन के कपड़ों की है जबकि पारंपरिक ऊन, मौलिक बुनाई और ऊन की असली पहचान धीरे–धीरे खत्म होती जा रही है। ऐसे में लूम्स ऑफ नीती–माणा का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। लूम्स ऑफ लद्दाख की संस्थापक अभिलाषा बहुगुणा का कहना है कि लद्दाख की महिलाएं स्थानीय ऊन का प्रयोग कर बाजार की मांग को देखते हुए नए डिजाइन के उत्पाद तैयार कर रही हैं। नीती और माणा घाटी के लोग भी स्थानीय ऊन से डिजाइन कपड़े तैयार कर सकते हैं। दिल्ली में आयोजित प्रदर्शनी में भी नीती–माणा के ऊनी उत्पादों की डिमांड रही। समिति की सदस्य नंदी राणा ने बताया कि हमें लूम्स ऑफ लद्दाख का भरपूर सहयोग मिल रहा है। साथ ही मानव सेवा समिति के महेश खंकरियाल के साथ ही कुंदन सिंह टकोला, किशोर बड़वाल और नरेंद्र राणा का सहयोग मिल रहा है।

मदननेगी में आठ फरवरी को होगा हिंदू सम्मेलन

नई टिहरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे हिंदू सम्मेलन की तैयारियों को लेकर प्रतापनगर विधानसभा क्षेत्र के मदननेगी में अंतिम रूप दिया गया।

आगामी आठ फरवरी को प्रस्तावित सम्मेलन को लेकर रविवार को मदननेगी में भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com